परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा–रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना–सुनील जैन, 8602696165
श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक –

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर
श्री सुधेश जैन, इन्दौर

विशेष सहयोगी –

डॉ. अंशकुमार जैन बछौड़ावाले, टीकमगढ़
श्री राजेन्द्रकुमार जैन, नेहा इंटरप्राइजेस बबीना

सहयोगी सदस्य –

श्री कुमुदकांत जैन, मंडी बामौरा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/–
फुल पेज (अंदर)	11000/–
1/2 पेज	5000/–
1/4 पेज	3000/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/–
शोक संदेश फोटो सहित	1000/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	350/–

गजरथादिक एकादश रथोत्सव की हुई अतिभव्य परिक्रमा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

शाही पंचकल्याणक महोत्सव में कैलाश पर्वत से मोक्ष पधारे आदिनाथ भगवान, हुआ विश्व शान्ति महायज्ञ

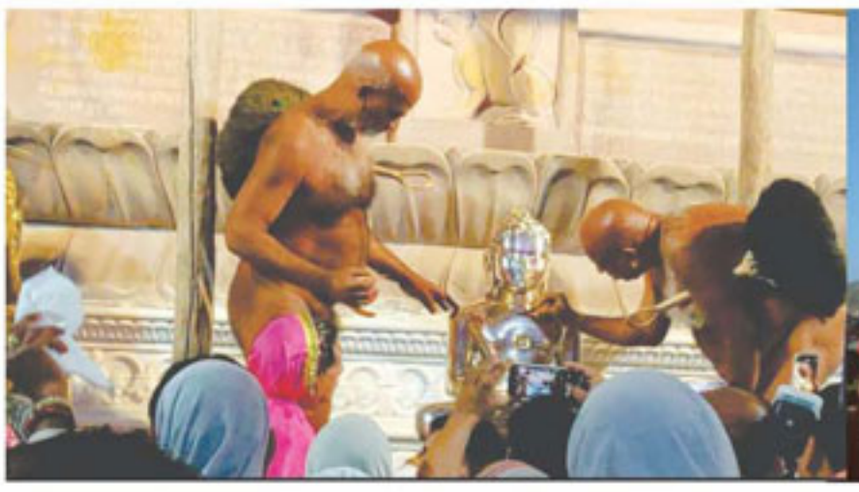

ललितपुर। शाही पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथादिक एकादश रथोत्सव विश्व शान्ति महायज्ञ निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में भव्यता पूर्वक पूर्ण हुआ । जिसमें भगवान आदिनाथ को कैलाश पर्वत से मोक्ष गमन का दृश्य हजारों लोगों ने अयोध्यापुरी में देखा और श्रीजी के रथेत्सव में श्रद्धा भक्ति पूर्वक सम्मलित होकर पुर्ण्याजन किया। सुबह श्रीजी का अभिषेक शान्तिधारा के उपरान्त नित्यमह पूजन हुई। वेदी पर ही कैलाश पर्वत की बडी सुन्दर रचना की गई जिस पर्वत पर आदिनाथ जी ने बैठ कर ध्यानरूढ होकर सिद्धत्व प्राप्त किया कैलाश पर्वत की रचना की गई। मुनि सुधासागर महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को ध्यान साधना कराई और क्षण भर में ही भगवान आदिनाथ को मोक्ष की प्राप्ति हो गयी इस दृश्य को देखने अपार जनसमूह आतुर था। मुनिपुंगव सुधासागर महाराज ने कहा पुण्य के अभाव में कोई काम नहीं आता। जिनके आगे पीछे इन्द्र थे जन्म पर रत्नवृष्टि हई सारा वैभव था जब पुण्य में हीनता आई वैराग्य हुआ और कैलाश पर्वत से मोक्ष गए और कपूर की भांति शरीर विलीन हो गया । प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.प्रदीप भैया सुयश ने भगवान आदिनाथ के मोक्ष के पश्चात कैलाश पर्वत पर अग्निकुमार इन्द्रों द्वारा हवन किया। इसके उपरान्त विश्व शांति महायज्ञ में इन्द्र इन्द्राणियों ने पूर्ण आहुति दी। मुनिश्री सुधासागरजी ने कहा पंचकल्याणक महोत्सव में पाषाण से परमात्मा बनाने की प्रक्रिया होती है। तीर्थंकर आदिनाथ ने कर्मों को नाश कर मोक्ष पद को प्राप्त किया और हमें परमात्मा बनने का मार्ग दिखाया। पंचकल्याण को अपने आचरण में लाने में ही कल्याण है। जिस तरह नशा करने से अघाते नहीं हैं, पाप करने से तृप्ति नहीं होती उसी तरह धर्म जितना करोगे बढेगा। मध्यान्ह में गजरथ परिक्रमा का शुभारम्भ अयोध्यापुरी से हुई जिसमें आगे जैन आर्मी के अधिकारी ध्वज पताका लिए हुए अनुशासित ढंग से चल रहे थे उनके पीछे बैन्ड की आकर्षक प्रस्तुति के साथ प्रत्येन्द्र, सत्येन्द्र, इन्द्र इन्द्राणियों का समूह कई ध्वज पताकाए लिए हुए तो कहीं कमलों को हाथ में लेकर चल रहा था। भव्य शोभायात्रा में सांगली महाराष्ट्र का दिव्य घोष, वीर व्यायामशाला, स्याद्वाद वर्धमान सेवा संघ, आदिनाथ सेवा संघ, बाहुबली सेवा संघ का दिव्य घोष अपने स्वयं सेवकों के साथ प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे । एकादश रथों के समूह के आगे तीन हाथियों पर पुर्ण्याजक परिवार हाथों में ध्वज पताकाए लिए हुए थे उनके पीछे गजरथ के साथ अतिशय क्षेत्र पपौराजी, द्रोणगिरीजी, आहारजी, जैन समाज अशोकनगर, जैन समाज रहली, जैन समाज वाडी और ललितपुर का रजत रथ आकर्षण का केन्द्र रहे। श्रीजी की रथयात्रा में ब्रहमचारी भैया बहिनों के आगे निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर, मुनि पूज्य सागर महाराज, ऐलक धैर्यसागर, क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज उपस्थित धर्मालुओं को आशीर्वाद प्रदान कर रहे थे। गजरथ की परिक्रमाए धार्मिक रीतिरिवाज से जब सम्पन्न हो रही थी उनका आंखों देखाहाल जैन पंचायत के अध्यक्ष इंजी.अनिल जैन अंचल स्वयं कर रहे थे। परिक्रमा के उपरान्त श्रीजी को स्वयंसेवको के दिव्यघोषों के साथ प्रतिष्ठा मंच पर विराजित किया, जहां श्रीजी का अभिषेक मुनि सुधासागर महाराज के सानिध्य में हुआ जिसमें उन्होने सभी को आर्शीवाद प्रदान किया। गजरथ महोत्सव की व्यवस्थाओं को मंदिर प्रबंधक राजेन्द्र जैन थनवारा, मोदी पंकज जैन, धार्मिक आयोजन संयोजक मनोज जैन के साथ मेला कैप्टन मेला कैप्टन नरेन्द्र कडंकी, कैप्टन राजकुमार जैन, पार्षद महेन्द्र सिंघई, वैभव जैन टिन्ना, स्वदेश गोयल संयोजित कर रहे थे। इस दौरान सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, बुन्देलखण्ड विकास बोर्ड के सदस्य प्रदीप चौबे, जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सुभाष जायसवाल, डॉ. राजकुमार जैन, डॉ. दीपक चौबे, निखिल तिवारी, दिनेश गोस्वामी, अजय जैन साइकिल, देवेन्द्र गुरू के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

एकादश रथोत्सव कर जैन समाज में ललितपुर ने बनाया रिकार्ड–

मुनि सुधासागर महाराज के सानिध्य में ललितपुर दिगम्बर जैन पंचायत ने एकादश रथोत्सव का आयोजन कर जैन समाज में एक रिकार्ड कायम किया जिसमें पांच हजार से अधिक इन्द्र इन्द्रिाणियों ने भक्ति की । गौरतलब रहे मुनि श्री के सानिध्य में 1992 में नवगजरथ का आयोजन भव्यता से हुआ था जिसकी यादें लोगों के मनो मस्तिष्क पर बनी हुई थी। मीडिया प्रभारी अक्षय अलया के अनुसार मुनिश्री के वर्ष 2022 के चातुर्मास में अभिनंदनोदय तीर्थ का अतिभव्य निर्माण हुआ जिसमें त्रिकाल चौबीसी, रजमीय चौबीसी, नन्दीश्वर सहस्त्रकूट गुफा, कल्पवृक्ष मंदिर सहित ज्ञानोदय तीर्थ में मुनिसुव्रतनाथ मंदिर एवं श्री पार्श्वनाथ मंदिर का निर्माण हुआ जिनके लिए 1375 प्रतिमाओं की स्थापना की गई।

हिन्दू भी तीर्थों को पर्यटन स्थल न बनने दें

शंकराचार्य बोले – सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल बनने से रोकने में जैन समाज का संघर्ष आदर योग्य ।

यदि हमने तीर्थ के महत्व को समझा होता तो देवभूमि उत्तराखंड के ये हालात नहीं होते। जैन समाज जिस तरह तीर्थ सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल बनने से रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, वह आदर योग्य है। हिन्दू समाज समझे कि तीर्थ और पर्यटन अलग है। जोशीमठ समेत उत्तराखंड को पर्यटन स्थल बना दिया गया। जमीन फट रही है। प्रकृति प्रतिक्रिया दे रही है। जोशीमठ के लोग गुस्से में हैं। सरकारें जागी पर देर से। घरों में दरारें अचानक नहीं आई, ये सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। दरअसल, जोशीमठ के इलाकों में लगतार धमाके किए जा रहे हैं। 2005 के बाद जब यहाँ हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट लाया गया, तब यहां से 17 कि.मी. लंबी सुरंग बननी थी। इसके लिए टीबीएम यानी टनल बोरिंग मशीन मंगाई गई। ये मशीन आमतौर पर कड़ी चीजों को काटती थी, लेकिन जोशीमठ की जमीनें भुरभुरी। इस मशीन ने खोदना शुरू किया, तो वायब्रेशन हुआ और आगे जाकर यह कीचड़ में धंस गई। टनल से ज्यादा नुकसान जोशीमठ को हुआ । अब हाथों से बनाए गए घरों को लोगों को छोड़ना पड़ रहा है। पर हमारा विश्वास है कि विपत्तियों के बावजूद जोशीमठ सुरक्षित रहेगा । धार्मिक चेतना की अलख जगानी होगी। 2008 में गंगा सेवा अभियान की शुरुआत स्वरुपानंद सरस्वती ने बड़े प्रोजेक्ट से आपदा की चेतावनी दी थी । वैसा ही हुआ । हमें संतों की वाणी का आदर करना चाहिए । मेरी अपील है कि विपत्ति काल में सियासी आरेप–प्रत्यारोप न हों। ये वक्त लोगों की मदद का है । (साभार – दैनिक भास्कर, रायपुर)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।